प्रथम सेमेस्टर - सामान्य हिन्दी

पूर्णांक - 50 ०न्यूनतम उत्तीर्णांक - 18

साहित्य खण्ड 'क' - गद्य-पद्य की निर्धारित रचनाएँ कुल - 25 अंक

गद्य-भाग

1. कहानी - प्रेमचन्द - बड़े भाई साहब
   विजयदान देथा - सिकन्दर और कौआ
2. संस्मरण - कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' - क्यालिफ के ज्वार की उन लहरों में
3. रेखाचित्र - रामवृक्ष बेनीपुरी - रजिया
4. निबन्ध - गुणाकर मुले - शनि सबसे सुन्दर ग्रह

पद्य-भाग

1. कबीर - साखी-संग्रह - गुरुदेव को अंग, 7, 12, 26, 30
   सुमिरन को अंग, 10, 17, 24, 26
   विरह को अंग 2, 6, 10, 18
2. सूरदास - सूरसागर सार - सं. डा. धीरेन्द्र वर्मा
   विनय भक्ति पद 2, 33
   गोकुल लीला पद - 55, 58
   वृन्दावन लीला पद 10, 28
   उद्धव संदेश 77, 79
3. तुलसीदास विनयपत्रिका, 87, 88, 90, 150, 158, पद
4. मीरां पदावली - 1, 3, 4, 5, 10 पद
5. रहीम (दस दोहे) दोहावली, 186, 191, 211, 212, 214, 218, 219, 220, 223, 224

खण्ड - 'ख' - व्याकरण / व्यावहारिक हिन्दी खण्ड कुल - 25 अंक

1. निबन्ध लेखन शब्द सीमा 150 - 8 अंक
2. कार्यालयी लेख - शासकीय, अर्द्धशासकीय, कार्यालय ज्ञापन, विज्ञप्ति अधिसूचना, प्रत्येक 4×2 - 8 अंक
3. संक्षेपण 4 अंक
4. पल्लवन 5 अंक

अंक विभाजन खण्ड क

(क) एक व्याख्या पद्य से (प्रत्येक में विकल्प देना है) 5×1 - 5 अंक
(ख) एक व्याख्या गद्य से (प्रत्येक में विकल्प देना है) 5×1 - 5 अंक
(ग) आलोचनात्मक प्रश्न पद्य से 7½×1 - 7½ अंक
(घ) आलोचनात्मक प्रश्न गद्य से 7½×1 - 7½ अंक

(signature)

द्वितीय सेमेस्टर- सामान्य हिन्दी

पूर्णांक - 50 न्यूनतम उत्तीर्णांक - 18 अंक —

साहित्य खण्ड 'क' गद्य-पद्य की निर्धारित रचनाएँ

गद्य भाग —

1. निबन्ध - अगरचन्द नाहटा - राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर
2. व्यंग्य — शरद जोशी - जीप पर सवार इल्लियाँ
3. पर्यावरण - अनुपम मिश्र - आज भी खरे हैं तालाब

पद्य भाग —

1. मैथिलीशरण गुप्त - मनुष्यता, हम राज्य लिए मरते हैं (गीत साकेत के नवम सर्ग से)
2. सुमित्रानन्दन पंत नौका विहार
3. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' वह तोड़ती पत्थर
4. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' हिरोशिमा
5. रामधारी सिंह दिनकर विपथगा, समर शेष है

खण्ड - 'ख' - व्याकरण / व्यावहारिक हिन्दी खण्ड

1. शब्द निर्माण प्रविधि, उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास — 5 अंक
2. शब्द शुद्धि एवं वाक्य शुद्धि — 5 अंक
3. मुहावरे एवं लोकोक्ति — 5 अंक
4. पारिभाषिक शब्दावली — 5 अंक
5. शब्द के प्रकार - संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं क्रिया विशेषण — 5 अंक

अंक विभाजन क खण्ड

(i) एक व्याख्या पद्य से (विकल्प देय) — 5 अंक
(ii) एक व्याख्या गद्य से (विकल्प देय) — 5 अंक
(iii) एक आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्प देय) गद्य से — 7½ अंक
(iv) एक आलोचनात्मक प्रश्न (विकल्प देय) पद्य से — 7½ अंक

~~स्नातक प्रथम वर्ष~~/ - हिन्दी साहित्य

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न-पत्र - आदिकाल और भक्तिकाल

पूर्णांक - 50

न्यूनतम उत्तीर्णांक - 18

1. ढोला मारू रा दोहा — संपादक - नरोत्तमदास स्वामी
   दोहा संख्या - 119 से 133 तक

2. विद्यापति — संपादक - शिवप्रसाद सिंह
   नन्दक नन्दन - विद्यापति पदावली
   सुन रसिया अब न बजाऊ विपिन बसिया
   विरह व्याकुल बकुल तरुतर
   कुंज भवन से चल भलि है
   सखि हे कतहु न देख मधाई

3. चन्दबरदाई — संपादक - हजारीप्रसाद द्विवेदी
   पृथ्वीराजरासो
   कैमास करनाटी प्रसंग - 1 से 5 छन्द

4. कबीरदास — कबीर ग्रन्थावली संपादक - श्यामसुन्दरदास
   विरह को अंग साखी सं. 7, 8, 9, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17
   पद - दुलहनी गावहु मंगलचार
   - गोविन्द हम ऐसे अपराधी
   - पंडित बाद बदन्ते झूठा
   - कोई जागैगा जागनहार
   - ना जाने मिलन गोपाल

5. सूरदास — पद - सूरसागर (सार - डॉ. धीरेन्द्र वर्मा)
   - ऊधो अँखियाँ अति अनुरागी
   - उपमा एक न नैन गही
   - ऊधो मन नाहीं दस बीस
   - निर्गुन कौन देस को बासी
   - हमारे हरि हारिल की लकरी
   - उर में माखन चोर गड़े
   - ऊधो भली करी ब्रज आए
   - बिनु गोपाल बैरिन भई कुंजैं
   - देखियत कालिन्दी अति कारी

अंक विभाजन : — कुल दो व्याख्याएँ (विकल्प देय) 10×2 = 20
आलोचनात्मक प्रश्न - 3 (विकल्प देय) 8×3 = 24
एक प्रश्न टिप्पणी परक
एक विषय संक्षिप्त टिप्पणी (विकल्प देय) 6×1 = 6
(आदिकाल की प्रवृत्तियों से सम्बन्धित)

प्रथम सेमेस्टर - हिन्दी साहित्य

द्वितीय ~~[illegible]~~ प्रश्न-पत्र -(कहानी एवं उपन्यास)

पूर्णांक - 50 — न्यूनतम उत्तीर्णांक - 18

खण्ड - अ

1. उपन्यास - पचपन खंभे लाल दीवारें (उषा प्रियंवदा)

2. कहानी
   - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी - उसने कहा था
   - प्रेमचन्द - नमक का दरोगा।
   - जयशंकर प्रसाद - मधुवा
   - जैनेन्द्र - पाजेब
   - यशपाल - खच्चर और आदमी
   - मोहन राकेश - मलबे का मालिक
   - मन्नू भण्डारी - सजा
   - शेखर जोशी - दाज्यू
   - रांगेय राघव - गदल

अंक विभाजन

कुल दो व्याख्याएँ (आन्तरिक विकल्प देय) 10×2=20

चार निबन्धात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) 7½ ×4=30

(हस्ताक्षर)

द्वितीय - सेमेस्टर - हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न-पत्र - आदिकाल और भक्तिकाल

पूर्णांक - 50 न्यूनतमांक - 18

1. तुलसीदास - कवितावली - गीता प्रेस गोरखपुर
   - पुरते निकसी रघुबीर वधू
   - जल को गए लक्खन हैं लरिका
   - रानी मैं जानि अजानी महा
   - सुनि सुन्दर बैन सुधारस साने
   - कोपि दसकंध तब प्रलय पयोद बोले
   - पावक पवन, पानी भानु हिमवान जमु
   - गजबाजि घटा भले भूरि भटा
2. जायसी - जायसी ग्रन्थावली सं. रामचन्द्र शुक्ल
   - सिंहलद्वीप वर्णन खण्ड - प्रारम्भ के 5 अंश
   - सिंहलदीप कथा अब गाऊं .... आसा लेहि दई कर नाऊं।
3. मीरां - मीरा मुक्तावली - सं. नरोत्तम स्वामी
   पद संख्या - 14, 15, 16, 20, 23, 28, 31, 32
4. रसखान - रसखान रचनावली सं. विद्यानिवास मिश्र
   - सुजान रसखान अंश से प्रथम 8 छन्द

अंकविभाजन

- दो व्याख्याएं (विकल्प देय) एक कवि से एक ही 10×2=20
- आलोचनात्मक प्रश्न - 3 (विकल्प देय) 8×3=24
- एक प्रश्न टिप्पणीपरक 6×1=06
  एक विषय पर संक्षिप्त टिप्पणी (विकल्प देय)
  भक्तिकाल की प्रवृत्तियों से सम्बन्धित

तृतीय सेमेस्टर- हिन्दी साहित्य

प्रथम-पत्र - रीतिकाल

पूर्णांक 50 — न्यूनतम उत्तीर्णांक 18

1 केशवदास — रामचन्द्रिका - राम वन्दना - पूरण पुराण अरु ....

सूर्योदय वर्णन 1. अरुण गात अति प्रात ....
2. व्योम में मुनि देखिए ....

पँचवटी वर्णन 1. फल फूलन पूरे ....
2. सब जात फटी ....
3. शोभित दंडक की रुचि ....

हनुमान लंका गमन 1. हरि केशो वाहन ....

2. बिहारी (20 दोहे)

- मेरी भव बाधा हरौ ..
- तजि तीरथ हरि राधिका -
- नाच अचानक ही उठे ..
- कहत नटत रीझत खिझत
- मोहन नैनन को कछु ..
- पाय महावर ..
- मंगल बिन्दु सुरंग मुख ..
- अंग अंग नग जग मगत ..
- भूसन भार सम्हारि ..
- कीनै हूँ कोटिक जतन
- या अनुरागी चित्त ..
- जद्यपि सुन्दर सुघर पुनि ..
- कहा लड़ैते दृग करे
- पत्रा ही तिथि पाइए ..
- तिय अँधियारी नील पट ..
- औंधाई सीसी सुलखि
- इति आवत इत जात चलि ..
- लाल तुम्हारे विरह की
- कहलाने एकत बसत अहि मयूर ..
- कनक कनक तें सौ ..
- को छूट्यो इहि जाल परि ..
- नहिं पराग नहिं मधुर मधु ..
- मरत प्यास पिंजरा ..
- जगत जनायो जिहि सकल ..
- तो लगि या मन सदन में

3. देव — 10 पद जावें न काम .... से बौरो वचाई मह

4. भूषण — कुल 10 पद
साजि चतुरंग सैन .... से अति सौरभ भरी ..

अंक विभाजन -

कुल दो व्याख्याएं (एक कवि से केवल एक व्याख्या) 10 x 2 = 20 अंक
(आन्तरिक विकल्प देंगे)

चार प्रश्न निबन्धात्मक (एक कवि से एक प्रश्न) $7\frac{1}{2} \times 4 = 30$ अंक
आन्तरिक विकल्प देंगे

तृतीय सेमेस्टर - हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न-पत्र (नाटक एवं एकांकी)

पूर्णांक - 50

न्यूनतम उत्तीर्णांक 18

खण्ड - (अ)

नाटक - कोणार्क - जगदीश चन्द्र माथुर

खण्ड - (ब) नाटक का उद्भव एवं विकास

अंक विभाजन :-

दो व्याख्याएँ (आन्तरिक विकल्प देय) 09×2 = 18 अंक

कुल चार निबन्धात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) 7×4 = 28 अंक

खण्ड (ब) में से एक टिप्पणी (आन्तरिक विकल्प देय) 4×1 = 4 अंक

चतुर्थ सेमेस्टर - हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न-पत्र (नाटक एवं एकांकी)

पूर्णांक - 50

न्यूनतम उत्तीर्णांक - 18

खण्ड (अ) एकांकी -

1. राम कुमार वर्मा - उत्सर्ग
2. भुवनेश्वर - तांबे के कीड़े
3. उपेन्द्रनाथ अश्क - नया-पुराना
4. विष्णु प्रभाकर - ममता का विष
5. लक्ष्मीनारायण लाल - कालपुरुष और अजन्ता की नर्तकी
6. धर्मवीर भारती - आवाज का नीलाम
7. सुरेन्द्र वर्मा - हरी घास पर घण्टे भर

खण्ड - (ब) एकांकी का उद्भव एवं विकास

अंक विभाजन

खण्ड (अ) से कुल दो व्याख्याएँ - (एकांकी से) (आन्तरिक विकल्प देय) 9×2 = 18 अंक

खण्ड 'ब' से चार निबन्धात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) 7×4 = 28 अंक

खण्ड (ब) से एक टिप्पणी (आन्तरिक विकल्प देय) 4×1 = 04 अंक

चतुर्थ सेमेस्टर - हिन्दी साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र (रीतिकाल)

पूर्णांक - 50

न्यूनतम उत्तीर्णांक - 18 अंक

1. घनानन्द — कुल 10 पद
   छवि कौं सदन ... से प्रीत सुजान अनीत करौं तक

2. आलम — कुल 10 पद
   जिन्हि चक्रवाक चौंक ... से गोरस कुतौ लिखै ... तक

3. पद्माकर — कुल 10 पद
   फूलन में, केलिन ... से बिल बिलात चंदी ... तक

4. सेनापति — कुल 8 पद
   शारदि न दौरे ... से बरन बरन तरु फूले ... तक

अंक विभाजन

कुल दो व्याख्याएं (एक कवि से केवल एक व्याख्या) (आन्तरिक विकल्प देय) 10×2 = 20 अंक

कुल चार निबन्धात्मक प्रश्न- एक कवि से सम्बन्धित (एक-एक) 7½×4 = 30 अंक

[illegible]

पँचम सेमेस्टर - हिन्दी साहित्य

प्रथम-पत्र - आधुनिक काव्य

पूर्णांक - 50

न्यूनतम उत्तीर्णांक - 18

खण्ड (अ)

1 अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' प्रिय प्रवास - सर्ग - 6
प्रथम 40 छन्द

2. मैथिलीशरण गुप्त — साकेत-नवम सर्ग
1. वेदने तू भी भली बनी ...
2. निरख सखी ये खंजन आये ...
3. विरह रंग अभिसार भी ...
4. दोनों ओर प्रेम पलता है ...
5. आ आ मेरी निंदिया गूंगी ...
6. कहती मैं, चातकि फिर बोल ...

यशोधरा
1. सखि वे मुझसे कहकर जाते
2. अब कठोर हो वज्रादपि ओ ...
3. हे मन आज परीक्षा तेरी

3. जयशंकर प्रसाद कामायनी - श्रद्धा सर्ग - प्रथम 20 छन्द
आँसू - रो-रोकर सिसक ... दुःख उच्छ्वास कथा

4. सुमित्रानन्दन पंत
1. प्रथम रश्मि
2. मौन निमन्त्रण
3. द्रुत झरो

खण्ड 'ब' आधुनिक हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ
राष्ट्रीय काव्य धारा, छायावाद,

अंक विभाजन :

खण्ड 'अ'

कुल दो व्याख्याएँ (एक कवि से केवल एक व्याख्या), 10 x 2 = 20 अंक
आन्तरिक विकल्प देय

कुल तीन निबन्धात्मक प्रश्न (एक कवि से अधिकतम एक ही प्रश्न) आन्तरिक विकल्प देय 7½ x 3 = 22½ अंक

खण्ड 'ब' में से एक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) 7½ x 1 = 7½ अंक

[signature]

पंचम सेमेस्टर - हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न-पत्र (निबन्ध एवं काव्य शास्त्र)

पूर्णांक 50 न्यूनतम उत्तीर्णांक 18

(क) निबन्ध

1. बालकृष्ण भट्ट - साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है
2. रामचन्द्र शुक्ल - क्रोध
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी - भारतीय साहित्य की प्राणशक्ति
4. नंद दुलारे वाजपेयी - छायावाद
5. राम विलास शर्मा - संत साहित्य की ऐतिहासिक भूमिका

(ख) काव्य शास्त्र

(1) अलंकार - परिभाषा तथा महत्त्व
अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना, अपह्नुति

2. छन्द - परिभाषा एवं महत्त्व
दोहा, चौपाई, छप्पय, रोला, मालिनी, शिखरणी, द्रुतविलम्बित, हरिगीतिका

खण्ड (क) निबन्ध के दो व्याख्याएँ 10×2 = 20 अंक
(आन्तरिक विकल्प देय)

दो आलोचनात्मक प्रश्न निबन्ध से 7½×2 = 15 अंक
सम्बन्धित (आन्तरिक विकल्प देय)

खण्ड 'ख' में से एक प्रश्न अलंकार से सम्बन्धित 7½×1 = 7½ अंक
(आन्तरिक विकल्प देय)

खण्ड - ख में से एक प्रश्न छन्द से सम्बन्धित 7½×1 = 7½ अं.
(आन्तरिक विकल्प देय)

[signature]

षष्ठ सेमेस्टर - हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न-पत्र - आधुनिक काव्य

पूर्णांक - 50 न्यूनतम उत्तीर्णांक - 18

<u>खण्ड - अ</u>

1. अज्ञेय
   1. बावरा अहेरी . . .
   2. भीतर जागा दाता
   3. साँप
   4. यह दीप अकेला

2. मुक्तिबोध
   1. जन जन का चेहरा एक
   2. दूरतारा
   3. खोल आँखें

3. धूमिल
   1. प्रौढ़ शिक्षा
   2. मोचीराम

4. दुष्यन्त
   1. इस नदी की धार में ठंडी . . . .
   2. खंडहर बचे हुए हैं . . .
   3. परिन्दे अब भी पर . . .
   4. एक कबूतर चिट्ठी लेकर . . .
   5. एक गुड़िया की कई . .
   6. होने लगी है जिस्म . . .
   7. अब किसी को भी नजर . . .
   8. हो गई है पीर पर्वत-सी . .
   9. बाढ़ की संभावनाएँ सामने हैं . . .

खण्ड - 'ब'

आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ - प्रगतिवाद प्रयोगवाद और नई कविता

अंकविभाजन :- खण्ड - अ।

कुल दो व्याख्याएं (एक कवि से केवल एक व्याख्या) (आन्तरिक विकल्प देय) 10x2 = 20 अंक

कुल तीन निबन्धात्मक प्रश्न - एक कवि से सम्बन्धित एकाधिक $7\frac{1}{2}\times3 = 22\frac{1}{2}$ अंक

खण्ड - 'ब' में से एक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) $7\frac{1}{2}\times1 = 7\frac{1}{2}$ अंक

[signature]

~~प्रथम~~ षष्ठ सेमेस्टर - हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न-पत्र (निबन्ध एवं काव्यशास्त्र)

पूर्णांक - 50 न्यूनतम उत्तीर्णांक - 18

(क) निबन्ध :

1. विद्या निवास मिश्र मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
2. कुबेर नाथ राय मधुर-मधुर रसराज
3. हरिशंकर परसाई पहिला सफेद बाल
4. निर्मल वर्मा साहित्य में प्रासंगिकता का प्रश्न

(ख) - काव्य शास्त्र

1. रस - परिभाषा रस के अवयव और रस सिद्धान्त
2. गुण - माधुर्य, ओज, प्रसाद
3. शब्दशक्ति - अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

अंक विभाजन

कुल दो व्याख्याएं (क) निबन्ध से (आन्तरिक विकल्प देकर) 10x2 = 20 अंक

दो आलोचनात्मक प्रश्न निबन्ध से (आन्तरिक विकल्प देकर) 7½x2 = 15 अंक

खण्ड 'ख' में से एक प्रश्न रस से सम्बन्धित (आन्तरिक विकल्प देकर) 7½x1 = 7½ अंक

खण्ड 'ख' में से गुण व शब्दशक्ति से ~~सम्बन्धित~~ (टिप्पणी) (आन्तरिक विकल्प देकर) 7½ x 1 = 7½ अंक.

(हस्ताक्षर)